इल्म का समंदर है खुदा बख्श लाइब्रेरी : आमिर

पटना (एसएनबी)। खुदाबख्श लाइब्रेरी इल्म का समंदर है। इसने बहुतों की जिन्दगी बनाई कितनों का भविष्य उज्जवल किया है। यह पुस्तकालय शिक्षा का एक समुन्द्र है जहां प्यास नहीं बुझती, न ही समुन्द्र समाप्त होता है, बल्कि मनुष्य का जीवन समाप्त हो जाता है। यह पुस्तकालय पटना के लिए गौरव की बात है। ये बातें शनिवार को खुदा बख़्श दिवस समारोह पर सूबे गृह विभाग के प्रधान सचिव आमिर सुबहानी ने कही।

- खुदाबख्श दिवस पर लाइब्रेरी में दुर्लभ पाण्डुलिपियों और लघु चित्रों की प्रदर्शनी

सभागार में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। लाइब्रेरी के निवर्तमान निदेशक व पटना प्रमंडल की आयुक्त डॉ. एन विजयलक्ष्मी ने मुख्य अतिथियों और उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए खुदा बख़्श दिवस पर लाइब्रेरी के संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की। लाइब्रेरी की शैक्षिणक एवं साहित्यिक गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने प्रोजक्टर पर पावर प्वाइन्ट के द्वारा लाइब्रेरी की जानकारियां प्रस्तुत की और कहा कि यह लाइब्रेरी शिक्षा एवं साहित्य का एक अद्भुत संग्रह है। इस पुस्तकालय से लोग अधिक से अधिक लाभ उठायें। आयुक्त ने आमिर सुबहानी का उदाहरण देते हुए विशेष रूप से कर्जन वाचनालय के बच्चों को कहा कि इस लाइब्रेरी से आमिर सुबहानी की भांति सैकड़ों आमिर सुबहानी पैदा हों ताकि वे देश एवं समाज की सेवा कर सकें। स्क्रीन पर लाइब्रेरी की कुछ अद्भुत पाण्डुलिपियों तथा लघुचित्रों को दिखाया गया। सहायक लाइब्रेरी व सूचना पदाधिकारी अबू मुज़फर आलम ने पाण्डुलिपियों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में खुदा बख़्श की पौत्री रहमत आरा ने भी अपने विचार रखे।

पाण्डुलिपियां देखते गृह विभाग के प्रधान सचिव आमिर सुबहानी और आयुक्त डॉ. एन विजयलक्ष्मी।

खुदाबख़्श दिवस पर लाइब्रेरी में सुरक्षित दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं लघु चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन गृह विभाग के प्रधान सचिव आमिर सुबहानी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हाजीपुर मध्य रेलवे के वित्तीय सलाहकार जगमोहन गुप्ता थे। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद